



# भारत का गज़त्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

मं. 203] नई दिल्ली, शनिवार, जून 23, 1979/आषाढ़ 2, 1901  
No. 203] NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 23, 1979/ASADHA 2, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation.

नौवाहन और परिवाहन मंत्रालय

(परिवाहन पक्ष)

नई दिल्ली, 23 जून, 1979

अधिसूचना

सा. का. नं. 397 (अ).—कन्द्रीय सरगार, भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908  
का 15) की धारा 34 द्वारा प्रदर्श शक्तियों का प्रयोग करने हुए काण्डला पत्तन के  
न्यायिकों के बोर्ड के साथ परामर्श करने के बाद, काण्डला पत्तन में प्राप्त करने वाले  
जलजां को, जिन्होंने कंवल लैंश बजरों का ही लदान या उत्तरार्ड करनी हो, एतद्वारा  
पत्तन शुल्क रों छूट देती है, बंशर्ते कि ऐसे लैंश बजरों के लदान या उत्तरार्ड करने वाले  
मरुज्य जहान द्वारा निर्धारित दूर से पत्तन शुल्क दिया जाना हो।

[का. मं. पी जी आ-29/79(2)]

मिनंश कमार जैन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Transport Wing)

New Delhi, the 23rd June, 1979

NOTIFICATION

G.S.R. 397(E).—In exercise of the powers conferred by Section 34 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908) the Central Government after consulting the Board of Trustees for the Port of Kandla, hereby exempts the vessels entering the Port of Kandla only for discharging or loading LASH barges from payment of port dues subject to the condition that port dues at prescribed rates are paid by the mother ships discharging or loading such LASH barges.

[F. No. PGR-29/79(ii)]

D. K. JAIN, Lt. Secy,